ALL RIGHTS RESERVED
सर्वाधिकार सुरक्षित

49/FG/CC/M–2022–23

2022

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS

राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

Time Allowed : 3 hours | *Maximum Marks* : 300

समय : 3 घण्टे | *पूर्णांक* : 300

***Instructions* :**

- The figures in the margin indicate full marks.
- Answer **all** questions.
- Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
- All questions have been printed both in English and Hindi. In case of any ambiguity in Hindi version, the English version shall be considered authentic.
- Parts of the same question must be answered together and must not be interposed between answers to other questions.

***अनुदेश* :**

- उपान्त के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं।
- **सभी** प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं।
- परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
- सभी प्रश्न अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषा में छपे हैं। यदि हिन्दी भाषा में कोई संदेह है, तो अंग्रेजी भाषा को ही प्रामाणिक माना जाएगा।
- एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जाएँ तथा उनके बीच में अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जाएँ।

SECTION—I

खण्ड—I

1. Answer the following questions : 10×5=50

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) Discuss Kautilya's Saptang theory.

कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत का वर्णन कीजिए।

(b) Describe the basic features of post-behaviouralism.

उत्तर-व्यवहारवाद की मूल विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(c) What are the agents of political socialization?

राजनीति समाजीकरण के कारक कौन-कौन से हैं?

(d) Explain Ambedkar's views on annihilation of castes.

जातिप्रथा के अन्त के बारे में अम्बेडकर के विचारों का वर्णन कीजिए।

(e) Describe regionalism with special reference to Jharkhand movement.

झारखण्ड आंदोलन के विशेष संदर्भ में क्षेत्रीयवाद का वर्णन कीजिए।

2. Jayaprakash Narayan was Marxist in the beginning, but ended as Gandhian. Explain the reasons for transition in his ideas. 50

जयप्रकाश नारायण प्रारंभ में मार्क्सवादी थे, परन्तु अन्त में गाँधीवादी हो गए। उनके इन विचारों में परिवर्तन के कारणों का वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Critically examine the tension areas in Indian Federalism. Discuss this in the light of contemporary examples.

भारतीय संघवाद के तनाव के क्षेत्रों का आलोचनात्मक आकलन कीजिए। इसका समसामयिक उदाहरणों के संदर्भ में वर्णन कीजिए।

3. Differentiate between the ideas of Hobbes, Locke and Rousseau on the issue of social contract. 50

सामाजिक समझौते के मुद्दे पर हॉब्स, लॉक एवं रूसो के विचारों के विभिन्नीकरण का वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

What is pluralist theory of sovereignty? Explain how it is different from monistic theory of sovereignty.

सम्प्रभुता के बहुलवादी सिद्धांत से आपका क्या अभिप्राय है? बताइए कि यह किस प्रकार से सम्प्रभुता के अद्वैत सिद्धांत से भिन्न है?

SECTION—II
खण्ड—II

4. Answer the following questions : 10×5=50

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) Describe the basic assumptions of balance of power.

शक्ति-संतुलन की मूल मान्यताओं का वर्णन कीजिए।

(b) Explain about 'power vacuum' theory in the Indian Ocean.

हिन्द महासागर में 'शक्ति रिक्तता' के सिद्धांत का वर्णन कीजिए।

(c) Discuss about India's 'Act East Policy'.

भारत की 'ऐक्ट ईस्ट नीति' का वर्णन कीजिए।

(d) Describe the 'soft power' concept in international relations.

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में 'मृदु शक्ति' की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

(e) Discuss India's economic diplomacy policy.

भारत की आर्थिक राजनय नीति का वर्णन कीजिए।

5. What were the reasons for the end of Cold War in international politics? Examine the prospects of post-Cold War international order. 50

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में शीतयुद्ध की समाप्ति के कौन-से कारण थे? शीतयुद्धोत्तर अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था के भविष्य पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

What is Non-Aligned Movement? Describe its relevance in the contemporary international milieu.

गुट-निरपेक्ष आंदोलन से आपका क्या अभिप्राय है? समसामयिक अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश में इसकी सार्थकता का वर्णन कीजिए।

6. Give an in-depth analysis of reasons of conflicts in South Asia. Suggest some measures to build cooperation in this region. 50

दक्षिण एशिया में संघर्ष के कारणों का गहन विश्लेषण कीजिए। इस क्षेत्र में सहयोग विकसित करने वाले कारकों हेतु सुझाव दीजिए।

OR / अथवा

Describe about the changing nature of India's Foreign Policy in the post-Cold War years.

शीतयुद्धोत्तर वर्षों में भारतीय विदेश नीति के बदलते स्वरूप का वर्णन कीजिए।

★ ★ ★